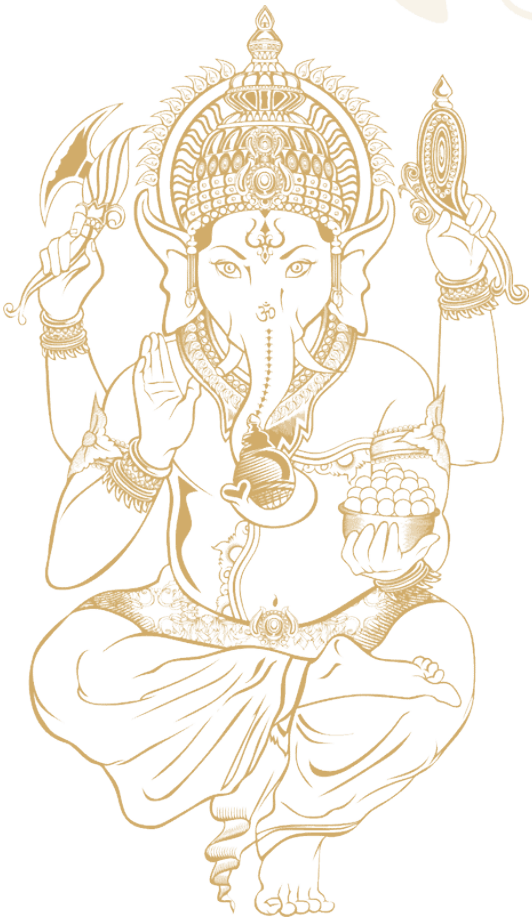

Mr.I

Ms.I

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120510201

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120510201 Date: 11/12/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
23-24/09/1999	जन्म तिथि	04/08/1999
गुरु-शुक्रवार	दिन	बुधवार
घंटे 04:16:00	जन्म समय	12:15:00 घंटे
घटी 55:07:00	जन्म समय(घटी)	16:21:11 घटी
India	देश	India
Una	स्थान	Una
31:28:00 उत्तर	अक्षांश	31:28:00 उत्तर
76:19:00 पूर्व	रेखांश	76:19:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:24:44	स्थानिक संस्कार	-00:24:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:13:11	सूर्योदय	05:42:31
18:19:36	सूर्यास्त	19:18:39
23:50:58	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:53
सिंह	लग्न	तुला
सूर्य	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
कुम्भ	राशि	मेष
शनि	राशि-स्वामी	मंगल
शतभिषा	नक्षत्र	अश्विनी
राहु	नक्षत्र स्वामी	केतु
4	चरण	4
शूल	योग	शूल
गर	करण	बालव
सू-सूरज	जन्म नामाक्षर	ला-लक्ष्मी
तुला	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह
शूद्र	वर्ण	क्षत्रिय
मानव	वश्य	चतुष्पाद
अश्व	योनि	अश्व
राक्षस	गण	देव
आद्य	नाड़ी	आद्य
मेष	वर्ग	मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 3वर्ष 8मा 5दि		10:33:33	सिंह	लग्न	तुला	10:18:27	केतु 0वर्ष 9मा 26दि	
शनि		06:36:32	कन्या	सूर्य	कर्क	17:37:13	सूर्य	
31/05/2019		17:16:20	कुंभ	चंद्र	मेष	11:45:53	31/05/2020	
30/05/2038		19:57:05	वृश्चि	मंगल	तुला	19:10:40	31/05/2026	
शनि	02/06/2022	18:42:45	कन्या	बुध व	कर्क	04:55:05	सूर्य	17/09/2020
बुध	10/02/2025	09:41:28	मेष व	गुरु	मेष	10:25:57	चन्द्र	19/03/2021
केतु	21/03/2026	27:55:00	कर्क	शुक्र व	सिंह	10:44:58	मंगल	25/07/2021
शुक्र	21/05/2029	22:47:27	मेष व	शनि	मेष	22:45:07	राहु	19/06/2022
सूर्य	03/05/2030	18:12:39	कर्क व	राहु व	कर्क	19:06:35	गुरु	07/04/2023
चन्द्र	02/12/2031	18:12:39	मक व	केतु व	मक	19:06:35	शनि	19/03/2024
मंगल	10/01/2033	19:21:36	मक व	हर्ष व	मक	21:06:27	बुध	23/01/2025
राहु	17/11/2035	07:50:54	मक व	नेप व	मक	08:53:16	केतु	31/05/2025
गुरु	30/05/2038	14:14:28	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	13:56:56	शुक्र	31/05/2026

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:50:58 चित्रपक्षीय अयनांश 23:50:53

लग्न-चलित

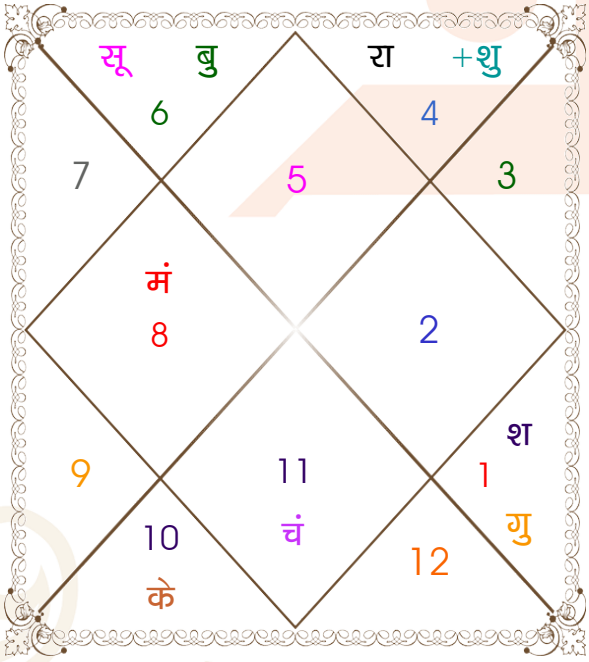

लग्न-चलित

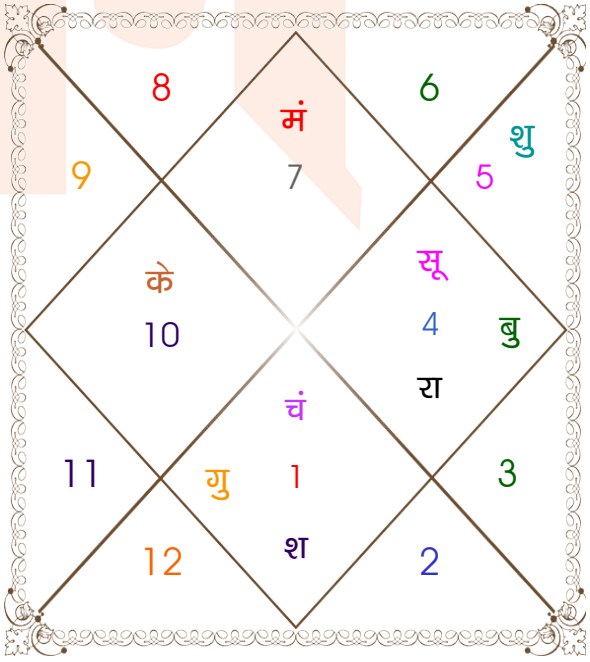

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	अश्व	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	15.00		

कुल : **15 / 36**

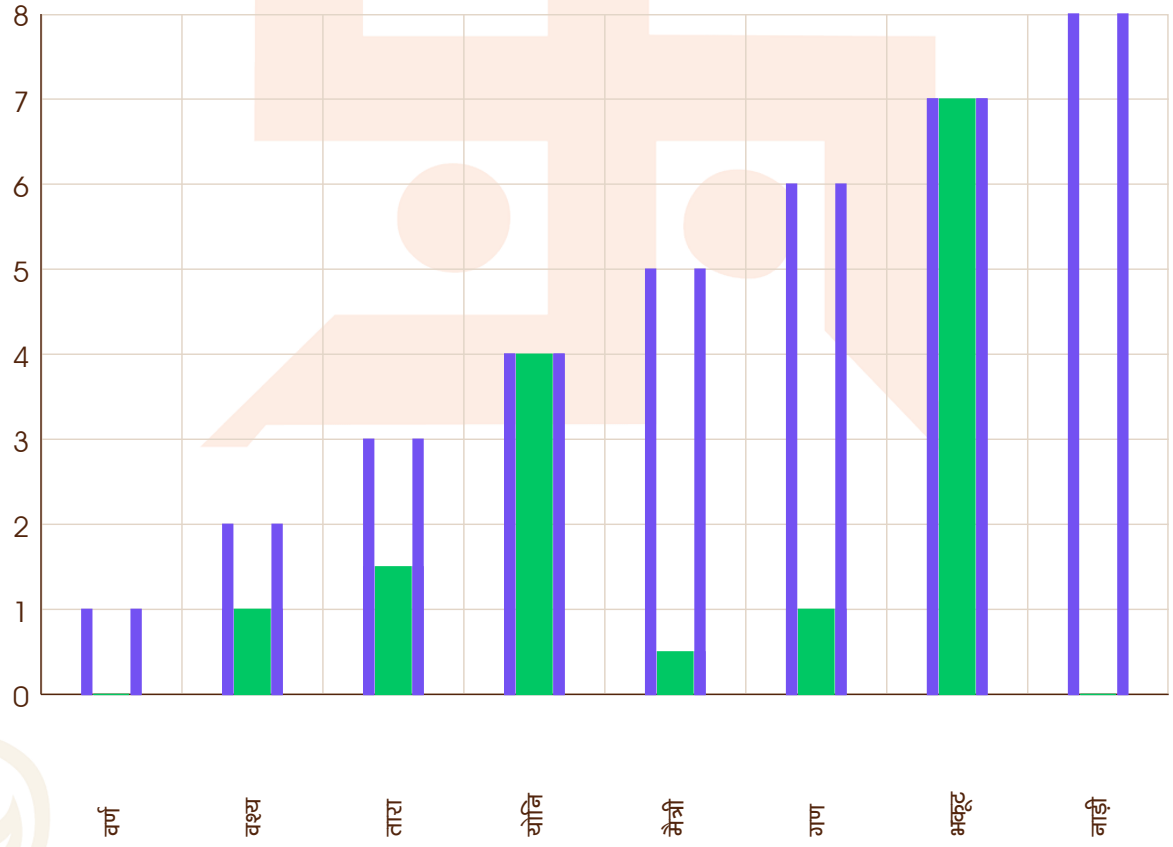

अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

Mr.I का वर्ग मेष है तथा Ms.I का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.I और Ms.I का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.I मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।
वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल Mr.I कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

ढप्ध्;डडम्गंवूदक्मइ;0द्धत्र1द्धझ क्योंकि मंगल Mr.I कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.I मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

Mr.I तथा Ms.I में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr.I का वर्ण शूद्र है तथा Ms.I का वर्ण क्षत्रिय है। इसमें Ms.I का वर्ण Mr.I के वर्ण से नीचा नहीं है अतः यह मिलान उत्तम मिलान नहीं है। जिसके कारण Ms.I अति वर्चस्वशाली होगी तथा सिर्फ आज्ञा देने वाली होगी। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं तर्क-वितर्क का दौर चलता रह सकता है तथा दोनों के बीच कभी-कभी मार-पीट भी हो सकती है। Ms.I का आक्रामक व्यवहार परिवार के सभी सदस्यों का जीना दूभर कर सकता है। परिवार में सुख-शान्ति की स्थापना के लिए Mr.I को उसकी हर बात माननी होगी तथा गुलाम की भाँति रहना पड़ेगा।

वश्य

Mr.I का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Ms.I का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि जानवर एवं मनुष्य के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग-अलग होते हैं फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में जीवन व्यतीत करते हैं। फलस्वरूप Mr.I एवं Ms.I दोनों प्रेम एवं सौहार्द के साथ एक-दूसरे के साथ जीवन व्यतीत कर सकेंगे। Ms.I अपने पति की हर आज्ञा शिरोधार्य करेगी तथा बदले में Mr.I अपनी पत्नी की देखभाल करेगा तथा उसे प्रेम प्रदान करेगा।

तारा

Mr.I की तारा साधक तथा Ms.I की तारा प्रत्यरि है। Ms.I की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। संभाव है कि यह विवाह Mr.I एवं उसके परिवार के लिए हानिकारक साबित हो। Ms.I का स्वभाव बिल्कुल लापरवाह, स्वार्थी एवं असहयोग की भावना वाली हो सकती है तथा भविष्य मे अपने स्वार्थ की पूर्ति करने में ही लगी रह सकती है। साथ ही Ms.I के अवैध संबंध तक भी हो सकते हैं जिसके फलस्वरूप पति, बच्चों एवं संपूर्ण परिवार को काफी कष्ट एवं पीड़ा का सामना कर पड़ सकता है। Mr.I अत्यधिक आध्यात्मिक हो सकता है तथा अपना अधिकांश समय आध्यात्मिक गतिविधियों में ही व्यतीत करता रहेगा।

योनि

Mr.I की योनि अश्व है तथा Ms.I की योनि भी अश्व है। अर्थात दोनों की योनि समान ही है। दोनों योनि के बीच परस्पर मित्रता का संबंध है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के बीच अगाध प्रेम होगा। दोनों हमेशा एक दूसरे को समय-समय पर अपना सहयोग देते रहेंगे जिससे इनका पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन अत्यंत सौहार्द्र एवं प्रेमपूर्वक बीतेगा। सोच एवं समझदारी में समानता होने के कारण परस्पर वैचारिक मतभेद नहीं रहेंगे। इस प्रकार आपसी विश्वास रहने के कारण आपका वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा। आप दोनों पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन में शांति का अनुभव करेंगे। मन में हर्षोल्लास की भावना बनी रहेगी। साथ ही परिवार में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। धन का आगमन

समय-समय पर होता रहेगा। जिसके कारण आप सुखी पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन व्यतीत करेंगे। दोनों आपसी समझबूझ के साथ जीवन में आने वाली किसी भी समस्या का समधान शीघ्र ही निकाल पाने में सझम होंगे। जिसके कारण इनका पारिवारिक जीवन अत्याधिक समृद्धिशाली रहेगा। इस प्रकार इनका वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन सुखी होगा एवं प्रगति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr.I का राशि स्वामी Ms.I के राशि स्वामी से शत्रु का संबंध रखता है। जबकि Ms.I का राशि स्वामी Mr.I के राशि स्वामी के साथ सम रहता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए शत्रु किंतु दूसरा उसे सम मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Mr.I का गण राक्षस तथा Ms.I का गण देव है। अर्थात Ms.I का गण Mr.I के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण Mr.I निर्दयी, कठोर, निष्ठुर एवं झगड़ालू हो सकते हैं। साथ ही Mr.I का Ms.I के साथ क्रूर व्यवहार करने की संभावना बनी रह सकती है। पति-पत्नी, अक्सर कुत्ते-बिल्लियों की भांति झगड़ा कर सकते हैं एवं परिवार में अक्सर अशांति का माहौल बना रहेगा। Ms.I हमेशा हर कदम पर समझौता करने की कोशिश करती रहेगी ताकि दोनों का संबंध बना रहे।

भकूट

Mr.I से Ms.I की राशि तृतीय भाव में स्थित है तथा Ms.I से Mr.I की राशि एकादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Mr.I अति महत्वाकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा अच्छा कमाने वाले होंगे। दूसरी ओर Ms.I सद्गुणी, परिश्रमी, सहयोगी एवं दयालु होंगी तथा अपने पति की हर क्षेत्र में हर संभव सहायता करेंगी। दोनों के बीच मधुर तालमेल, एक-दूसरे की अच्छी समझ होगी। ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों।

नाड़ी

Mr.I की नाड़ी आद्य है तथा Ms.I की नाड़ी भी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Mr.I एवं Ms.I दोनों की आद्य नाड़ी होने से, दम्पत्ति वात से संबंधित बीमारियों एवं रोगों के शिकार हो सकते हैं। ज्योतिषीय दृष्टि से ऐसे दम्पत्ति जिनकी नाड़ी एक ही हों, उनकी

संतानें रक्ताल्पता, रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी का शिकार हो सकते हैं। वे पढ़ाई एवं कार्य में संकेन्द्रण की कमी जैसी व्याधियों एवं परेशानियों के शिकार हो सकते हैं अथवा बचपन या किशोरावस्था में ही उनकी मृत्यु हो सकती है।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr.I की जन्म राशि वायुतत्व युक्त कुम्भ तथा Ms.I की राशि अग्नितत्व युक्त मेष राशि है। वायुतत्व एवं अग्नि तत्व में नैसर्गिक मित्रता होने के कारण इन दोनों के मध्य स्वभावगत समानताएं होंगी जिससे दाम्पत्य संबंधों में मधुरता रहेगी। अतः यह मिलान सामान्यतया अच्छा रहेगा।

Mr.I की राशि का स्वामी शनि तथा Ms.I की राशि का स्वामी मंगल परस्पर सम एवं शत्रु है। सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह ग्रह स्थिति विशेष अच्छी नहीं रहेगी। इसके प्रभाव से Mr.I और Ms.I के मध्य परस्पर मतभेद रहेंगे तथा एक दूसरे के प्रति विशेष प्रेम सहानुभूति तथा सहयोग के भाव में भी न्यूनता रहेगी जिससे सुख दुख में एक दूसरे को अल्प मात्रा में ही सहयोग प्रदान करेंगे। साथ ही एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे अतः परस्पर विरोध एवं वैमनस्य के भाव में वृद्धि होगी तथा दाम्पत्य जीवन सुखमय नहीं रहेगा।

Mr.I और Ms.I की राशियां परस्पर तृतीय एवं एकादश भावों में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त अशुभ फलों में न्यूनता आएगी तथा परस्पर मधुर संबंधों में वृद्धि होगी। साथ ही एक दूसरे की कमियों की अपेक्षा गुणों पर ध्यान देंगे जिससे परस्पर सहयोग प्रेम एवं सहानुभूति का भाव उत्पन्न होगा तथा एक दूसरे का पूर्ण ध्यान रखने में तत्पर रहेंगे। अतः Mr.I और Ms.I को परस्पर सामंजस्य के भाव से कार्य लेना चाहिए।

Mr.I का वश्य मानव तथा Ms.I का वश्य चतुष्पद है। अतः मानव एवं चतुष्पद के मध्य नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में अंतर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं भिन्न रहेंगी। साथ ही काम संबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

Mr.I का वर्ण शूद्र तथा Ms.I का वर्ण क्षत्रिय है। अतः Mr.I की प्रवृति किसी भी कार्य को करने में प्रवृत रहेगी परन्तु Ms.I साहसी एवं पराक्रमी कार्यो को ही सम्पन्न करेंगी। कार्य क्षमता में असमानता के कारण Mr.I और Ms.I को यदा कदा परस्पर मतभेदों का सामना करना पड़ेगा। अतः वैवाहिक जीवन समान्य रूप से ही व्यतीत होगा।

धन

Mr.I और Ms.I की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। Mr.I और Ms.I की राशि तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उनकी आय में नित्य वृद्धि होगी जिससे अर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का प्रभाव भी सम रहेगा। अतः धनार्जन होता रहेगा।

Ms.I एक सौभाग्यशाली महिला होंगी अतः उन्हें अचानक धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना होगी। यह लाटरी या सट्टे या किसी अन्य माध्यम से हो सकता है। साथ ही पैतृक सम्पति या जायदाद भी उनको मिलेगी जिससे दम्पति धन एवं ऐश्वर्य से युक्त रहकर अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

Mr.I और Ms.I दोनों एक ही नाड़ी में उत्पन्न हुए है। अतः इन पर नाड़ी दोष का प्रभाव रहेगा जिससे इनका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा। इसके प्रभाव से दम्पति धातु या गुप्त रोगों से परेशानी की अुभूति करेंगे तथा Ms.I भी रक्त या पित कष्टों को प्राप्त करेंगी। साथ ही मंगल के प्रभाव से भी Mr.I हृदय रोग संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे तथा यदा कदा संभोग शक्ति की शिथिलता की भी अनुभूति कर सकते है। इससे दाम्पत्य जीवन में अशांति का वातावरण होगा। अतः दोनों को अपने स्वास्थ्य का पूर्ण ध्यान रखना चाहिए तथा उपरोक्त दुष्प्रभावों की शांति के लिए हनुमानजी की उपासना एवं मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mr.I और Ms.I का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Mr.I और Ms.I के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms.I के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms.I को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms.I को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Mr.I और Ms.I सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr.I और Ms.I का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms.I के अपनी ससुराल के लोगों से संबधों में वांछित मधुरता रहेगी परन्तु यदा कदा सास से कुछ मतभेद रहेगा जिससे उनके साथ सामंजस्य स्थापित करने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथापि यदि Ms.I धैर्य एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो सास की सहानुभूति प्राप्त हो सकती है।

ससुर देवर एवं ननदों से Ms.I के संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे वांछित स्नेह एवं सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। ससुर की सुख सविधा एवं आराम का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा वे भी उसकी सेवा भावना से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवर एवं ननद से भी Ms.I का व्यवहार मित्रता पूर्ण रहेगा तथा वे भी Ms.I से प्रसन्न रहेंगे। इस प्रकार वह ससुराल के लोगों से सामंजस्य स्थापित करके आनंदानुभूति प्राप्त करेंगी।

ससुराल-श्री

Mr.I तथा उनकी सास के संबधों में सामान्यतया मधुरता ही रहेगी। साथ ही आपस में किसी प्रकार के मतभेद या तनाव के भाव की न्यूनता रहेगी। वे अपनी सास के प्रति श्रद्धा तथा सम्मानजनक व्यवहार रखेंगे तथा उन्हें अपनी माता के समान ही आदर प्रदान करेंगे। साथ ही सपत्नीक वह समय समय पर ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन ससुर के साथ में Mr.I के संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा आयु में पर्याप्त अंतर के कारण दोनों के मध्य काफी वैचारिक विभिन्नता तथा अन्य मतभेद रहेंगे परन्तु यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता का प्रदर्शन किया जाय तो इनमें न्यूनता आ सकती है। साथ ही साले एवं सालियों से Mr.I के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे इच्छित सहयोग, स्नेह तथा सहानुभूति प्राप्त होगी एवं परस्पर मित्रता का भाव रहेगा। इस प्रकार ससुराल के पक्ष का दृष्टिकोण Mr.I के प्रति उत्साहवर्द्धक नहीं रहेगा तथा सामंजस्य से ही इसमें अनुकूलता वनी रहेगी।